World Day to Combat Desertification (WDCD) Celebrated by ENVIS Centre at CAZRI

WDCD is celebrated on 17th June, 2016 every year world over as per United Nation's convention on Combating Desertification. Accordingly, ENVIS centre on Combating Desertification at ICAR-CAZRI celebrated the world day to combat desertification by organizing a special lecture on 16th June, 2016. The invited speaker was Dr. P. Santra, Sr. Scientist (Soil Physics) who deliberated on "Wind Erosion and Desertification". Besides scientists and staff of CAZRI, this lecture was attended by Dr. S.S. Rao, GM, RRSC-West, Dr. Toteja, Director DMRC, Dr. Vinod Maina, In charge, BSI and Dr. C.S. Purohit, Sci. B, BSI, Dr. G. Singh, Scientist G, AFRI, Jodhpur and Scientists from Defense Lab, Jodhpur.

Dr. Santra gave an excellent exposition of dynamics of the wind erosion, its impacts, possible control measures as well as future lines of work. Of particular interest was transport of dust to longer distance and the impact of dust particles on health in far flung areas such as eastern UP and Bihar. Of particular relevance to agriculture was nutrient loss due to removal of soil by wind and crop damage due to its abrasive action and deposition that affects even rail and road network. Audience also participated in the lively discussion.

Dr. O.P. Yadav, Chairman ENVIS and Director CAZRI emphasized the importance of wind erosion control research as an essential component of combating desertification. The techniques and technologies developed by CAZRI for wind erosion control are known world over and these are now much in demand by various agencies. But their application is equally important and desired for benefitting the farmers.

On 17th June, 2016, entire ENVIS CAZRI team participated in the main city events on WDCD at AFRI, Jodhpur. This programme was chaired by Sh. Gajendra Singh Shekhawat, MP, Jodhpur. A book written by Dr. Suresh Kumar, Coordinator, ENVIS and Dr. Kulloli. R. N., Program Officer, ENVIS, on "Cacti in Desert Botanical Garden" was released by the Chairman. In the afternoon, Dr. Suresh Kumar also delivered a lecture on "Ecological Management of Arid Lands for Combating Desertification". This

was attended by Scientists of AFRI, SAC, Ahmedabad, RRSC-West, Jodhpur and other organizations.

'मरुस्थलीकरण नियंत्रण गंभीर चुनौती'

विश्व मरुस्थलीकरण दिवस पर काजरी में मरू प्रसार रोक पर हुआ मंथन

नवज्योति/ जोधपुर।

काजरी स्थित केन्द्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मरू प्रसार रोक केन्द्र की ओर से विश्व मरुस्थरलीकरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने मंथन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी सान्तरा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सान्तरा ने वायु कटाव एवं मरुस्थलीकरण विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि वायु कटाव पूरे पारिस्थितक तन्त्र को असन्तुलित कर देता है। उन्होंने बताया कि खेत के दक्षिण, पश्चिम दिशा में पेड़-पौधों की रक्षा पट्टी विकसित करें, मिट्टी का कटाव नहीं होगा, पानी खेत के रुकेगा, पैदावार अच्छी होगी। उन्होंने तेज हवा, आंधी के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता जताई। काजरी मैकेनिकल बैरियर विकसित करने पर शोध कार्य कर रही है, जिससे वायु कटाव पर नियंत्रण होगा तथा तेज हवा की गति से बिजली पैदा होगी।

काजरी वैश्विक स्तर पर अग्र अन्वेषक

काजरी निदेशक डॉ. ओपी यादव ने कहा कि मरुस्थलीकरण नियंत्रण गंभीर चुनौती है। संस्थान ने मरुस्थल को रोकने, हरा-भरा करने, संसाधनों के संरक्षण करने, बाशिंदों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का बीड़ा उठाया तथा अनेक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी तकनीकियां विकसित की है, जिसके कारण वैश्विक स्तर संस्थान अग्र अन्वेषक के रूप जाना जाता है। शुष्क क्षेत्रों के विकास के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर की कई बड़ी योजनाओं को बनाने, कार्यान्वित करने में वैज्ञानिकों ने मार्गदर्शन एवं योगदान दिया है। कार्यक्रम में आफरी, बीएसआई, आरआरएससी, डीएमआरसी, काजरी के वैज्ञानिकों ने भाग लिया तथा चर्चा की। एनविस केन्द्र प्रभारी डॉ. सुरेशकुमार ने केन्द्र की गतिविधियों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपक रसाहा ने किया तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी तीर्थदास ने आभार व्यक्त किया।

Dainik Navjyoti, Jodhpur 17th June, 2016

वायु कटाव पर नियंत्रण से तेज हवा की गति से बिजली पैदा होगी : डॉ. पी सांतरा

विश्व मरुस्थलीकरण दिवस पर काजरी में सेमिनार आयोजित

जोधपुर . काजरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी. सांतरा ने कहा है कि वायु कटाव के कारण बहुत बड़ा क्षेत्र प्रभावित होता है। काजरी मैकेनिकल बैरियर विकसित करने पर शोध कार्य कर रहा है। इससे वायु कटाव पर नियंत्रण होगा और तेज हवा की गति से बिजली पैदा होगी। उन्होंने तेज हवा, आंधी के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता जताई।

डॉ. सांतरा गुरुवार को केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मरु प्रसार रोक केंद्र की ओर से विश्व मरुस्थलीकरण दिवस पर काजरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वायु की तेज गति के कारण खेतों की मिट्टी उड़ती है। इससे पर्यावरण तथा जलवायु पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ये मिट्टी समुद्र, नदी, नालों में जमा हो जाती है जो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को असंतुलित कर देता है । काजरी निदेशक डॉ. ओपी यादव, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. दीपंकर साहा ने भी संबोधित किया। तकनीकी अधिकारी तीर्थदास ने आभार जताया।

Dainik Bhaskar, Jodhpur 17th June, 2016